● **सुनो, समझो और बोलो :**

१४. सारे जहाँ से अच्छा

-जयप्रकाश भारती

प्रस्तुत एकांकी में संवादों के माध्यम से राकेश शर्मा की अंतरिक्षयात्रा की जानकारी दी गई है । इस पाठ से देश-प्रेम एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया गया है ।

5PDA17

*** चित्र के आधार पर काल संबंधी अन्य वाक्य बनाओ और समझो :**

(परदा उठने तक मंच पर 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा' गीत गूँजता है । धीरे-धीरे मंच पर रोशनी फैलती है। गीत धीरे-धीरे धीमा होते-होते समाप्त हो जाता है । रोशनी में राकेश अधबना हवाई जहाज हाथ में लिए बैठा है । जहाज बनाने के औजार उसके सामने पड़े हैं । दादा जी और आठ-नौ वर्ष की लड़की छाया का प्रवेश ।)

दादा जी : अरे राकेश, बड़े मग्न हो ! अरे भई, ये क्या लिए बैठे हो?

राकेश : दादा जी, हवाई जहाज । बस, अब बनकर तैयार ही समझो ।

दादा जी : क्यों नहीं बेटे राकेश, जो सच्ची लगन से मेहनत करता है, उसे सफलता जरूर मिलती है ।

छाया : पर दादा जी, राकेश मेहनत कहाँ करता है? जब देखो तब 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा' गाना गुनगुनाता रहता है ।

दादा जी : छाया बेटी, अपने देश की महिमा गाना बड़ी अच्छी बात है ।

राकेश : दादा जी, मैंने पहले-पहल इस गाने के बारे में तब जाना, जब अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा (छाती फुलाकर) यानी कि मैं, अंतरिक्ष में गए थे ।

दादा जी : छाया बेटी, तुम्हें मालूम है राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष यान से क्या कहा था?

छाया : उन्होंने कहा था, सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा । हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा ।

दादा जी : अरे वाह-वाह ...! छाया बेटी, तुम तो बड़ी जागरूक लड़की हो । जब राकेश आकाश में उड़ रहे थे, तब उन्होंने अनेक देश देखे लेकिन उन्होंने कहा कि तीन सौ किलोमीटर की ऊँचाई से भी अपने देश भारत को पहचानना मेरे लिए बहुत आसान था ।

❑ संवाद में आए काल (था, है, सकोगे) तथा उनके भेदों (सामान्य, पूर्ण, अपूर्ण) को समझाएँ । काल के भेदों सहित संवाद में आए अन्य वाक्य कहलवाएँ और दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास करवाएँ ।

खोजबीन

अपने तहसील की जानकारी इकट्ठा करो ।

राकेश : दादा जी, मेरी इच्छा है कि मैं भी राकेश शर्मा की तरह सारी दुनिया के ऊपर उड़ता फिरूँ !
(माँ का प्रवेश)

दादा जी : आओ बहू ... देख लो, तुम्हारा लाड़ला पायलट बनना चाहता है ।

माँ : राकेश बेटे, अब तुम अपनी इच्छा पूरी कर सकोगे ।

राकेश : दादा जी, मुझे योगासन भी करने चाहिए । राकेश शर्मा ने भी तो अंतरिक्ष में योग क्रियाएँ की थीं ।

दादा जी : हाँ बेटे, अंतरिक्ष में यात्रियों को कई बीमारियाँ हो जाती हैं । योग का अभ्यास यही देखने के लिए किया गया था कि क्या योग से अंतरिक्षयात्री अधिक स्वस्थ रह सकते हैं ?

छाया : दादा जी, आप एक बात तो कहना भूल ही गए । राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में कहा था कि यहाँ से तारे और ग्रह स्पष्ट नजर आते हैं । तारे बहुत बड़े होते हैं । कुछ तो इतने बड़े हैं कि पृथ्वी जैसे अनेक ग्रह इनमें समा जाएँ ।

दादा जी : बिलकुल ठीक कहा तुमने । सूरज पृथ्वी से पंद्रह करोड़ किलोमीटर दूर है । वह आग के विशाल गोले की तरह है । यदि पृथ्वी सूरज से दूर-दूर होती जाए तो सूरज छोटा, अधिक छोटा मालूम होगा।

राकेश : जैसे रात में तारे नजर आते हैं, वैसे ही सूरज भी नजर आएगा ।

दादा जी : हमारा सूरज भी एक तारा है । हमें वह इसीलिए बड़ा नजर आता है क्योंकि पृथ्वी उसके समीप है ।

छाया : राकेश और उनके सहयोगी कितने दिन अंतरिक्ष में रहे ?

दादा जी : एक सप्ताह उन्होंने अंतरिक्ष स्थानक में बिताया । उन्होंने वे सब प्रयोग किए; जिन्हें करने के लिए उन्हें कहा गया था । उन्होंने अनेक चित्र खींचे; भारत भूमि के चित्र भी लिए ।

❑ संवाद का आदर्श वाचन करें । विद्यार्थियों द्‌वारा पात्रों का चयन कर संवाद वाचन कराएँ । संवाद की नाट्यप्रस्तुति के लिए आवश्यक तैयारी के संबंध में चर्चा करें । संवाद का नाट्यीकरण कर प्रस्तुति कराएँ ।

राकेश : दादा जी, इतनी दूर से फोटो कैसे खींचे ?

दादा जी : खास तरह के कैमरे अंतरिक्षयान में होते हैं । ऐसे कैमरे, जो धरती पर रखी बोतल जैसी छोटी चीज का भी फोटो ले सकें ।

छाया–राकेश : (आश्चर्य से) अच्छा... यह तो कमाल ही है!

दादा जी : हाँ, विज्ञान का यह चमत्कार ही है ।

राकेश : दादा जी, इस यात्रा से लाभ क्या हुआ ?

दादा जी : इससे जो जानकारी मिली, वैज्ञानिक उसका अध्ययन कर रहे हैं । उन्हें देश की धरती पर और धरती के भीतर भी क्या कुछ छिपा है, यह जानने में मदद मिलेगी । मौसम, फसलों, नदी–पहाड़ों के बारे में और अधिक जानकारी मिल सकेगी ।

छाया : और यह बड़े साहस का काम तो था ही ।

राकेश : इससे अंतरिक्ष की खोज और अनुसंधान की दिशा में देश की दिलचस्पी बढ़ेगी ।

दादा जी : बिलकुल ठीक । आज काफी जानकारी तुम लोगों को मिल गई है । बड़े होकर तुम भी राकेश शर्मा का अनुसरण कर अंतरिक्ष में घूमोगे और गाओगे–'सारे जहाँ से अच्छा...'
(गीत गूँजता है और परदा गिरता है ।)

मैंने समझा 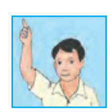

शब्द वाटिका

नए शब्द

अधबना = आधा बना हुआ
औजार = हथियार
महिमा = महानता
गुलसिताँ = बगीचा
पायलट = विमान चालक
अनुसंधान = शोधकार्य
अनुसरण = के अनुसार

स्वयं अध्ययन

देशभक्ति पर आधारित गीतों को पढ़ो और गाओ ।

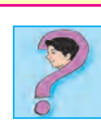 **अध्ययन कौशल** 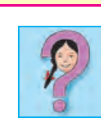

देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए नारों का (घोषवाक्यों का) संकलन करके उनकी वाक्य पट्टियाँ बनाकर कक्षा में लगाओ ।

सुनो तो जरा

स्वतंत्रता सेनानी की जीवनी से संबंधित कोई घटना सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

तुम अपनी देशभक्ति को अपने शब्दों में बताओ ।

वाचन जगत से

संविधान की उद्‌देशिका पढ़ो और परिपाठ में सुनाओ ।

मेरी कलम से

'सबसे न्यारा देश हमारा' इस विषय पर अपने विचार लिखो ।

* उत्तर लिखो ।

१. राकेश शर्मा के बारे में जानकारी लिखो ।

२. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

जरा सोचो तो ... बताओ

यदि संचार माध्यम कुछ समय के लिए रुक जाए तो...

सदैव ध्यान में रखो

देश की उन्नति में हम सबका योगदान होना चाहिए ।

विचार मंथन

।। विद्‌या ददाति विनयम् ।।

भाषा की ओर

सौर्य की आकृति को देखकर नीचे दिए गए वाक्य का निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करके लिखो ।

१ 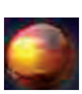	नीरव पुस्तक पढ़ता है ।	५	
२ 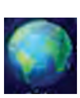		६ 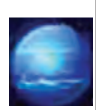	
३		७	
४		८